चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 28 अप्रैल 2026, अंक –266.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

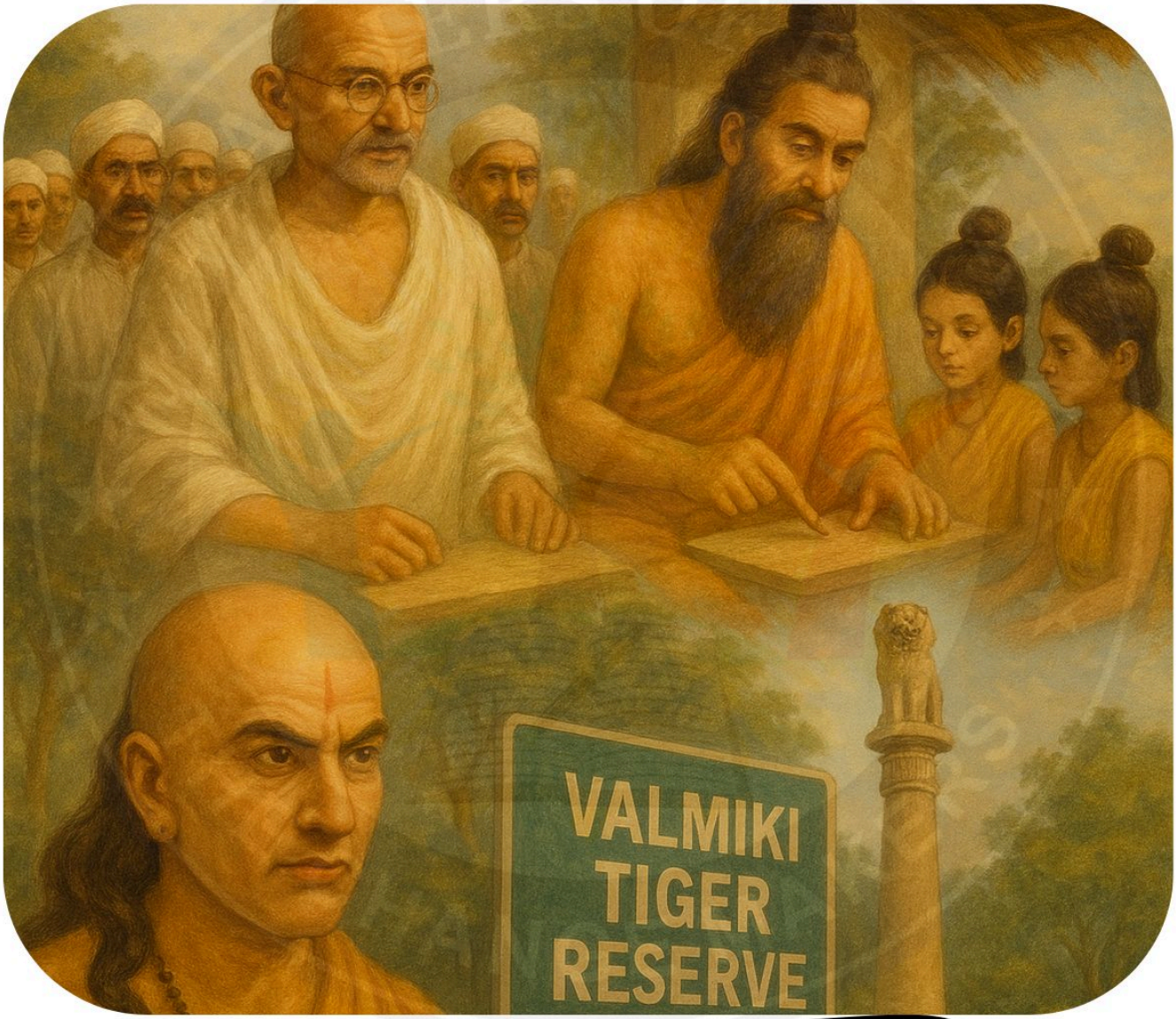

'जो लोग अपने इतिहास को भूल जाते हैं, वे कभी नया इतिहास नहीं बना सकते।' -Dr. Bhimrao Ambedkar

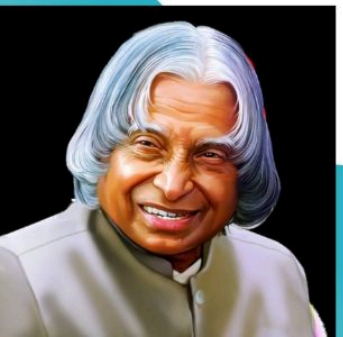

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. ब्राज़ील की राजधानी क्या है?
उत्तर: ब्रासीलिया
प्रश्न 2. भारत के पहले शिक्षा आयोग (विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग, 1948) के अध्यक्ष कौन थे?
उत्तर: डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
प्रश्न 3. बिहू पर्व मुख्यतः किस फसल से जुड़ा है?
उत्तर: धान
प्रश्न 4. 125 का घनमूल क्या है?
उत्तर: 5
प्रश्न 5. बिहार का राजकीय जलचर कौन है?
उत्तर: गंगा डॉल्फिन
प्रश्न 6. सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: पश्चिम बंगाल
प्रश्न 7. डायनामाइट का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: अल्फ्रेड नोबेल
प्रश्न 8. भारत में लोकसभा का कार्यकाल कितने वर्षों का होता है?
उत्तर: 5 वर्ष
प्रश्न 9. 'रामायण' के रचयिता कौन हैं?
उत्तर: वाल्मीकि
प्रश्न 10. इंद्रधनुष में कितने रंग होते हैं?
उत्तर: 7

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Family – (फैमिली) – परिवार
Friend – (फ्रेंड) – मित्र
Child – (चाइल्ड) – बच्चा
Parent – (पैरेंट) – अभिभावक
Brother – (ब्रदर) – भाई
Sister – (सिस्टर) – बहन
People – (पीपल) – लोग

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "हम ... रहे/रही हैं" (We are ...ing)

हम पढ़ रहे हैं। – We are reading.
हम लिख रहे हैं। – We are writing.
हम खेल रहे हैं। – We are playing.
हम खा रहे हैं। – We are eating.
हम सीख रहे हैं। – We are learning.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 28 अप्रैल को कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए कौन सा वैश्विक दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: विश्व सुरक्षित कार्य दिवस
व्याख्या: प्रतिवर्ष 28 अप्रैल को 'World Day for Safety and Health at Work' मनाया जाता है। इसका उद्देश्य कार्यस्थलों पर होने वाली दुर्घटनाओं और बीमारियों को रोकना है। यह कर्मचारियों के अधिकारों और सुरक्षित कार्य वातावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने का एक वैश्विक प्रयास है।
संदर्भ: International Labour Organization (ILO), 2026.

2. हाल ही में 'जी-20' (G20) की अध्यक्षता वर्ष 2026 के लिए किस देश को सौंपी गई है? (समसामयिकी)
उत्तर: दक्षिण अफ्रीका
व्याख्या: 2026 में G20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी दक्षिण अफ्रीका करेगा। यह पहली बार है जब कोई अफ्रीकी देश इस प्रतिष्ठित समूह की अध्यक्षता कर रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था और कूटनीति के दृष्टिकोण से यह प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न है।
संदर्भ: G20 सचिवालय/International News, April 2026.

3. “Discovery of India” पुस्तक के लेखक कौन हैं? (पुस्तक-लेखक)
उत्तर: नेहरू
व्याख्या: “Discovery of India” पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा लिखी गई प्रसिद्ध पुस्तक है, जिसे उन्होंने 1944 में जेल में लिखा था। इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति और दर्शन का विस्तृत वर्णन है। यह पुस्तक भारतीय राष्ट्रवाद और ऐतिहासिक दृष्टिकोण को समझने में महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NCERT; Publications Division

4. पृथ्वी के वायुमंडल में दूसरी सबसे प्रचुर मात्रा में पाई जाने वाली गैस कौन सी है? (पर्यावरण)
उत्तर: ऑक्सीजन
व्याख्या: वायुमंडल में सबसे अधिक नाइट्रोजन (78%) पाई जाती है, उसके बाद ऑक्सीजन (21%) का स्थान है। ऑक्सीजन सभी जीवित प्राणियों के श्वसन के लिए अनिवार्य है। गैसों के इस प्रतिशत और उनके महत्व को समझना पर्यावरण विज्ञान का आधार है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 20.

5. 'हड़प्पा' सभ्यता की खोज सर्वप्रथम किस वर्ष और किसके द्वारा की गई थी? (इतिहास)
उत्तर: 1921, दयाराम साहनी
व्याख्या: रायबहादुर दयाराम साहनी ने 1921 में हड़प्पा नामक पुरास्थल की खोज की थी। यह सिंधु घाटी सभ्यता का खोजा गया पहला शहर था, इसीलिए इसे 'हड़प्पा सभ्यता' भी कहा जाता है। यह भारतीय उपमहाद्वीप के शहरीकरण के इतिहास का प्रारंभिक बिंदु है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 3 In the Earliest Cities, p. 24.

"सामान्य-ज्ञान"

6. दो अक्षांश रेखाओं (Latitudes) के बीच की लगभग दूरी कितनी होती है? (भूगोल)
उत्तर: 111 किलोमीटर
व्याख्या: अक्षांश रेखाएं पृथ्वी के समानांतर वृत्त होती हैं। दो क्रमागत अक्षांशों के बीच की दूरी लगभग 111 किमी होती है। यह भौगोलिक स्थिति और दूरी की गणना करने के लिए एक महत्वपूर्ण मानक है, जो अक्सर प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछा जाता है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 2 Globe: Latitudes and Longitudes, p. 11.

7. भारतीय संविधान में 'मूल कर्तव्यों' (Fundamental Duties) को किस देश से लिया गया है? (संविधान)
उत्तर: सोवियत संघ (रूस)
व्याख्या: भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51A में वर्णित मूल कर्तव्यों को तत्कालीन सोवियत संघ (USSR) के संविधान से प्रेरित होकर 42वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया था। ये नागरिकों के प्रति देश की अपेक्षाओं और जिम्मेदारियों को दर्शाते हैं।
संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 2 Rights in the Indian Constitution, p. 45.

8. किस विटामिन की कमी से 'स्कर्वी' (Scurvy) नामक रोग होता है? (विज्ञान)
उत्तर: विटामिन-C
व्याख्या: विटामिन-C (एस्कॉर्बिक एसिड) की कमी से मसूड़ों से खून आना और घाव भरने में देरी जैसी समस्याएँ होती हैं। खट्टे फल जैसे संतरा, नींबू और आँवला इसके प्रमुख स्रोत हैं। पोषण और स्वास्थ्य से संबंधित यह प्रश्न विज्ञान का एक अनिवार्य अंग है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Science, Ch 2 Components of Food, p. 16.

9. 'गरबा' नृत्य, जिसे यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया गया है, किस राज्य से है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: गुजरात
व्याख्या: गरबा गुजरात का प्रसिद्ध लोक नृत्य है, जो मुख्य रूप से नवरात्रि के दौरान किया जाता है। यह देवी शक्ति की आराधना का प्रतीक है। यूनेस्को द्वारा इसे मान्यता मिलना भारतीय लोक कला की वैश्विक प्रतिष्ठा को दर्शाता है।
संदर्भ: UNESCO Intangible Cultural Heritage List / NCERT Class 6 Civics (References).

10. बिहार के किस जिले को 'चावल का कटोरा' (Rice Bowl) कहा जाता है? (बिहार GK)
उत्तर: रोहतास
व्याख्या: रोहतास जिले में धान की पैदावार बिहार में सर्वाधिक होती है, जिसके कारण इसे बिहार का 'चावल का कटोरा' कहा जाता है। यहाँ की सिंचाई व्यवस्था और मिट्टी धान की खेती के लिए अत्यंत उपयुक्त है। यह बिहार के कृषि भूगोल का एक प्रमुख तथ्य है।
संदर्भ: Bihar Economic Survey / NCERT Class 10 Geography (References).

"सामान्य-ज्ञान"

11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अनुसार, भीषण गर्मी में छात्रों को कौन से रंग के कपड़े पहनने की सलाह दी जाती है? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: सफेद या हल्के
व्याख्या: सुरक्षित शनिवार (अप्रैल माह) के दिशा-निर्देशों के अनुसार, गर्मी और लू से बचाव के लिए सूती, हल्के रंग और ढीले कपड़े पहनने चाहिए। सफेद रंग सूर्य की किरणों को परावर्तित (Reflect) करता है, जिससे शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है।
संदर्भ: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम - आपदा प्रबंधन मॉड्यूल; BSDMA.

12. यदि एक दौड़ में आप दूसरे स्थान वाले व्यक्ति को पीछे छोड़ देते हैं, तो अब आप किस स्थान पर हैं? (रीजनिंग)
उत्तर: दूसरे (2nd)
व्याख्या: यह एक तार्किक पहेली है। यदि आप 'दूसरे स्थान' वाले व्यक्ति को पीछे छोड़ते हैं, तो आप स्वयं उसकी जगह यानी 'दूसरे स्थान' पर आ जाते हैं। पहले स्थान वाला व्यक्ति अभी भी आपसे आगे है। यह प्रश्न जल्दबाजी में निर्णय न लेकर ध्यान से सोचने की शक्ति विकसित करता है।
संदर्भ: Logical Reasoning for Primary Olympiads.

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Nimble (निम्बल) = Quick / Agile (फुर्तीला)
🔁 Antonym – Clumsy (क्लम्सी) = अनाड़ी
Oblige(ऑब्लाइज) = Help /Do a favor (मदद करना / एहसान करना)
🔁 Antonym – Refuse (रिफ्यूज़) = मना करना
Pensive (पेंसिव) = Thoughtful / Deep in thought (गंभीर सोच में डूबा)
🔁 Antonym – Carefree (केयरफ्री) = बेफिक्र
Quaint (क्वेंट) = Old-fashioned but charming (पुराना लेकिन आकर्षक)
🔁 Antonym – Modern (मॉडर्न) = आधुनिक
Robust (रोबस्ट) = Strong / Healthy (मजबूत / स्वस्थ)
🔁 Antonym – Weak (वीक) = कमजोर

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Prime Minister inaugurates 'Bharat-Shakti 2026' Expo; India showcases first indigenous 'Quantum-Secure' communication satellite.
प्रधानमंत्री ने 'भारत-शक्ति 2026' एक्सपो का उद्घाटन किया; भारत ने पहले स्वदेशी 'क्वांटम-सुरक्षित' संचार उपग्रह का प्रदर्शन किया।

ISRO and NCERT launch 'Nakshatra' portal for school students to access real-time astronomical data from Indian observatories.
इसरो और एनसीईआरटी ने स्कूली छात्रों के लिए भारतीय वेधशालाओं से वास्तविक समय के खगोलीय डेटा तक पहुंच सुनिश्चित करने हेतु 'नक्षत्र' पोर्टल लॉन्च किया।

Ministry of Health reports 100% digital health record integration in 200 districts under Ayushman Bharat Digital Mission.
स्वास्थ्य मंत्रालय ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत 200 जिलों में 100% डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड एकीकरण की रिपोर्ट दी; स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और गति बढ़ेगी।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council adopts 'Global Cyber-Security Pact'; mandates unified defense protocols against AI-driven cyber threats.
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'वैश्विक साइबर-सुरक्षा समझौता' अपनाया; एआई-संचालित खतरों के खिलाफ एकीकृत रक्षा प्रोटोकॉल अनिवार्य किए गए।

BBC News: G7 nations pledge $100 billion for 'Green Hydrogen Infrastructure' in developing countries by 2030.
बीबीसी न्यूज़: G7 देशों ने 2030 तक विकासशील देशों में 'ग्रीन हाइड्रोजन बुनियादी ढांचे' के लिए 100 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता जताई।

NASA's Dragonfly mission passes final pre-launch review for Saturn's moon Titan; focuses on searching for pre-biotic chemistry.
नासा के ड्रैगनफ्लाई मिशन ने शनि के चंद्रमा टाइटन के लिए अंतिम प्री-लॉन्च समीक्षा पास की; जीवन के पूर्व-जैविक संकेतों की खोज पर ध्यान।

BIHAR NEWS

Bihar Government signs MoU with IIT Patna to establish 'Artificial Intelligence Excellence Center' for Agriculture and Flood Mapping.
बिहार सरकार ने कृषि और बाढ़ मैपिंग के लिए 'एआई उत्कृष्टता केंद्र' स्थापित करने हेतु आईआईटी पटना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

SCERT Bihar launches 'Pratibha Khoj' scholarship test for 2026-27 session; target to identify 5,000 rural STEM talents.
एससीईआरटी बिहार ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए 'प्रतिभा खोज' छात्रवृत्ति परीक्षा शुरू की; 5,000 ग्रामीण STEM प्रतिभाओं की पहचान का लक्ष्य।

SPORTS NEWS

India wins Asian Wrestling Championship 2026 overall trophy in Bishkek; Aman Sehrawat and Antim Panghal clinch gold.
भारत ने बिश्केक में एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2026 की ओवरऑल ट्रॉफी जीती; अमन सहरावत और अंतिम पंघाल ने स्वर्ण पदक हासिल किए।

Sports Ministry announces 'Mission 2032'; plans to establish 5 specialized High-Performance Centers for athletics and archery.
खेल मंत्रालय ने 'मिशन 2032' की घोषणा की; एथलेटिक्स और तीरंदाजी के लिए 5 विशेष हाई-परफॉर्मेंस केंद्र स्थापित करने की योजना।

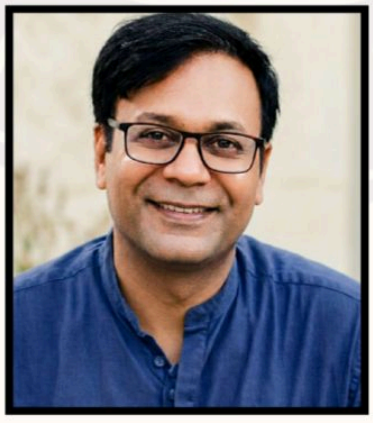

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"सड़क पर सावधानी"

विद्यालय में आज चर्चा का विषय था—सड़क सुरक्षा और सतर्कता। सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे थे।

मैडम जी ने पूछा—

"बच्चों, क्या सड़क पर थोड़ी-सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना बन सकती है?"

कुछ बच्चों ने कहा—"हाँ", लेकिन कई इसे गंभीरता से नहीं ले रहे थे।

तभी उन्होंने एक कहानी सुनाई—

एक दिन स्कूल छुटने के बाद रोहित और सोहन घर लौट रहे थे। सड़क पर काफी भीड़ थी। सोहन ने कहा—

"चलो जल्दी से सड़क पार कर लेते हैं।"

लेकिन रोहित बोला—

"रुको, पहले दाएं-बाएं देखकर और ज़ेब्रा क्रॉसिंग से पार करेंगे।"

सोहन ने उसकी बात नहीं मानी और जल्दी में सड़क पार करने लगा। तभी एक तेज़ बाइक अचानक सामने आ गई। सोहन घबरा गया और पीछे हट गया। वह बाल-बाल बच गया।

रोहित ने उसे संभाला और कहा—

"देखा, थोड़ी-सी जल्दबाजी कितनी खतरनाक हो सकती है।"

सोहन को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने कहा—

"अब मैं हमेशा सावधानी से सड़क पार करूंगा।"

मैडम जी ने कहानी समाप्त करते हुए कहा—

"बच्चों, सड़क पर हमेशा नियमों का पालन करें—

दाएं-बाएं देखकर सड़क पार करें

ज़ेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करें

कभी भी जल्दबाजी न करें"

सभा के अंत में सभी छात्रों ने संकल्प लिया—

"हम सड़क पर हमेशा सावधानी बरतेंगे।"

🌟 संदेश : "सड़क पर सावधानी ही जीवन की सुरक्षा है।"

.....✍️

मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक

रा.म.वि.वाल्मीकिनगर

बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

आदर्शवाद (Idealism) — सत्य, शिव और सुंदर की खोज

आदर्शवाद वह विचारधारा है जो मानती है कि यह भौतिक जगत (जो हमें आँखों से दिखता है) अंतिम सत्य नहीं है, बल्कि 'विचार' (Ideas) और 'आध्यात्मिक मूल्य' ही असली सत्य हैं। सुकरात, प्लेटो और कांट जैसे विचारकों ने इस दर्शन को गढ़ा। शिक्षा के क्षेत्र में आदर्शवाद का मानना है कि बालक का मुख्य उद्देश्य आत्म-साक्षात्कार (Self-realization) करना और शाश्वत मूल्यों– सत्यम् (Truth), शिवम् (Goodness) और सुन्दरम् (Beauty) को प्राप्त करना है। एक आदर्शवादी शिक्षक के लिए पाठ्यक्रम केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि मानव जाति की संस्कृति और नैतिकता का निचोड़ है।

शिक्षक साथियों, आदर्शवाद में 'शिक्षक' का स्थान बहुत ऊँचा है। यहाँ शिक्षक केवल एक सूचना देने वाला व्यक्ति नहीं है, बल्कि वह एक 'आदर्श' (Role Model) है। जैसे एक माली बगीचे के पौधों को अपनी देखरेख में फलने-फूलने में मदद करता है, वैसे ही आदर्शवादी शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को निखारने के लिए एक आध्यात्मिक वातावरण तैयार करता है। इस दर्शन में अनुशासन पर बहुत जोर दिया जाता है, लेकिन वह अनुशासन दमनकारी नहीं बल्कि 'प्रभाववादी' होता है, जो शिक्षक के ऊंचे चरित्र को देखकर छात्र के भीतर खुद-ब-खुद पैदा होता है।

उदाहरण:

इसे हम विद्यालय की प्रार्थना सभा या नैतिक शिक्षा के कालखंड से समझ सकते हैं। कल्पना कीजिए, कक्षा में एक छात्र ने दूसरे छात्र की पेंसिल चुरा ली है। एक साधारण दृष्टिकोण शायद उसे केवल सजा देने तक सीमित रहे। लेकिन एक आदर्शवादी शिक्षक इसे एक 'मूल्य' सिखाने के अवसर के रूप में देखेगा। वह बच्चे को 'सत्य' और 'अस्तेय' (चोरी न करना) के महत्व पर कहानियों के माध्यम से चिंतन करने को कहेगा। वह बच्चे के भीतर ग्लानि का भाव जगाकर उसे खुद सच बोलने के लिए प्रेरित करेगा। यहाँ शिक्षक का उद्देश्य केवल पेंसिल वापस दिलाना नहीं है, बल्कि छात्र के चरित्र में 'सत्य' के बीज बोना है। आदर्शवादी शिक्षक मानता है कि गणित या विज्ञान पढ़ने का लाभ तभी है जब वे छात्र को एक बेहतर और नैतिक इंसान बनाएं।

आदर्शवाद की शिक्षण विधियों में 'प्रश्नोत्तर विधि' (सुकरात की विधि), व्याख्यान और चर्चा मुख्य हैं। यह दर्शन मानता है कि चर्चा के माध्यम से ही सत्य की परतें खुलती हैं। आज के 'परिणाम प्रधान' युग में आदर्शवाद हमें याद दिलाता है कि शिक्षा का अंतिम उत्पाद केवल 'कौशल' (Skill) नहीं होना चाहिए, बल्कि 'संस्कार' (Values) होने चाहिए।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि एक शिक्षक के रूप में हमारा आचरण ही हमारा सबसे बड़ा शिक्षण है। यदि हम चाहते हैं कि हमारे छात्र अनुशासित और सत्यवादी बनें, तो हमें स्वयं को उनके सामने एक 'आदर्श' के रूप में प्रस्तुत करना होगा। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपके व्यक्तित्व की आभा आपके छात्रों के चरित्र को प्रभावित कर रही है? क्या आपकी कक्षा केवल 'मस्तिष्क' को सूचना दे रही है या 'आत्मा' को संस्कारित भी कर रही है?

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रु-ब-रु

विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह,

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षकों ने पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनों ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयों से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फूदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

अनुभाग-8 **कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 41**

"छोटे बच्चों के शिक्षक बनें – नर्सरी टीचर ट्रेनिंग (NTT) में कैरियर"

'संपादकीय'

मेरे प्रिय विद्यार्थियों,

कल के पत्र में हमने इंटरमीडिएट के बाद शिक्षक बनने की प्रक्रिया (D.El.Ed) को समझा था। आज का यह पत्र विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए है जिन्होंने अभी-अभी मैट्रिक (10वीं) की परीक्षा दी है और शिक्षा के क्षेत्र में अपना शुरुआती कदम रखना चाहते हैं। छोटे बच्चों की शिक्षा और उनके विकास में रुचि रखने वालों के लिए नर्सरी टीचर ट्रेनिंग (NTT) एक बेहतरीन विकल्प है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

NTT एक व्यावसायिक प्रशिक्षण कोर्स है जो शिक्षकों को पूर्व-प्राथमिक (Pre-Primary) स्तर के बच्चों (नर्सरी, LKG, UKG) को पढ़ाने के लिए तैयार करता है।

- अर्हता: मैट्रिक (10वीं) उत्तीर्ण। कुछ संस्थानों में इसके लिए 12वीं की मांग की जाती है, लेकिन कई व्यावसायिक संस्थान मैट्रिक के बाद सर्टिफिकेट कोर्स का अवसर देते हैं।
- अवधि: यह कोर्स 1 वर्ष (सर्टिफिकेट) या 2 वर्ष (डिप्लोमा) का हो सकता है।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

बिहार में कई सरकारी और निजी व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र NTT का कोर्स कराते हैं।

- नामांकन: अधिकांश संस्थानों में नामांकन सीधे अंकों के आधार पर या छोटे स्तर की प्रवेश परीक्षा द्वारा होता है।
- प्रमुख संस्थान: इग्नू (IGNOU) के क्षेत्रीय केंद्र, बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड (विशिष्ट श्रेणी के लिए), और विभिन्न महिला आईटीआई (ITI) व व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान।
- वेबसाइट: ignou.ac.in (IGNOU का 'Diploma in Early Childhood Care and Education' सबसे प्रामाणिक माना जाता है)।

3. कोर्स का फ्यूचर एवं रोजगार की संभावना:

नई शिक्षा नीति (NEP 2020) के लागू होने के बाद पूर्व-प्राथमिक शिक्षा पर बहुत जोर दिया जा रहा है।

- निजी क्षेत्र: निजी स्कूलों, प्ले-स्कूल्स और किंडरगार्टन में नर्सरी शिक्षकों की अनिवार्य मांग होती है।
- सरकारी क्षेत्र: एकीकृत बाल विकास सेवा (ICDS) के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों में 'बाल शिक्षा' को सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षित कर्मियों को प्राथमिकता दी जा रही है।
- स्वरोजगार: अपना स्वयं का प्ले-स्कूल या क्रेच (Creche) शुरू करने के लिए यह कोर्स बहुत मददगार है।

4. वित्तीय सहायता एवं छात्रवृत्ति:

- कौशल विकास योजनाएं: बिहार सरकार की 'कुशल युवा कार्यक्रम' (KYP) और 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' के तहत संचालित कुछ केंद्रों में इस तरह के वोकेशनल कोर्सेज के लिए वित्तीय छूट मिलती है।
- छात्रवृत्ति: आरक्षित वर्ग के मेधावी छात्र राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) के माध्यम से वोकेशनल कोर्सेज के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- वेबसाइट: scholarships.gov.in

मेरी सलाह: यदि आपको बच्चों के साथ समय बिताना और उन्हें रचनात्मक तरीके से सिखाना अच्छा लगता है, तो नर्सरी टीचर ट्रेनिंग आपके लिए स्वावलंबन का एक शानदार माध्यम बन सकता है।

कल के पत्र (संख्या 32) में हम इंटरमीडिएट के बाद 'फोरेंसिक साइंस और साइबर सुरक्षा' जैसे आधुनिक और रोमांचक क्षेत्र के बारे में चर्चा करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

आपका मार्गदर्शक !

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

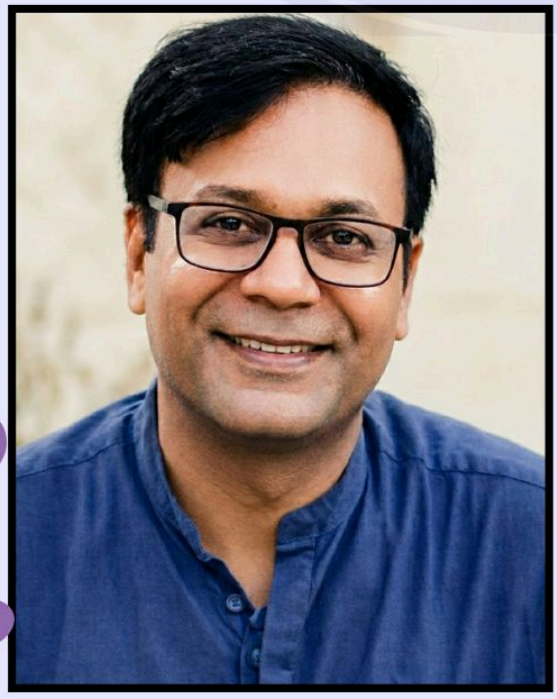

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org